अणुव्रत गीत

रचनाकार - आचार्य तुलसी

संयम मय जीवन हो।
नैतिकता की सुर-सरिता में जन-जन मन पावन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।

अपने से अपना अनुशासन अणुव्रत की परिभाषा ।
वर्ण, जाति या सम्प्रदाय से मुक्त धर्म की भाषा ।
छोटे-छोटे संकल्पों से मानस परिवर्तन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।१।।

मैत्री-भाव हमारा सबसे प्रतिदिन बढ़ता जाए ।
समता, सह-अस्तित्व, समन्वय-नीति सफलता पाए ।
शुद्ध साध्य के लिए नियोजित मात्र शुद्ध साधन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।२।।

विद्यार्थी या शिक्षक हो मजदूर और व्यापारी ।
नर हो नारी बने नीतिमय जीवन-चर्या सारी ।
कथनी-करनी की समानता में गतिशील चरण हो ।
संयम मय जीवन हो ।।३।।

प्रभु बन कर के ही हम प्रभु की पूजा कर सकते हैं ।
प्रामाणिक बनकर ही संकट सागर तर सकते हैं ।
शौर्य-वीर्य बलवती अहिंसा ही जीवन-दर्शन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।४।।

सुधरे व्यक्ति, समाज व्यक्ति से, राष्ट्र स्वयं सुधरेगा ।
तुलसी अणुव्रत सिंहनाद सारे जग में प्रसरेगा ।
मानवीय आचार-संहिता में अर्पित तन-मन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।५।।

जीवन विज्ञान गीत ...

रचनाकार - आचार्य तुलसी

विद्या के प्रांगण में अब व्यापक जीवन विज्ञान हो,
शिक्षा का नव अभियान हो।
बौद्धिकता के समरांगण में भावों का सम्मान हो।।

सर्वांगीण विकास व्यक्ति का विद्यार्जन का ध्येय बने,
शारीरिक बल और बुद्धिबल मानस बल आदेय बने।
भावात्मक बल पर आधारित संस्कृति का संधान हो ।।१।। शिक्षा का नव...

केवल पुस्तकीय शिक्षा ही जीवन में पर्याप्त नहीं,
आसेवन के द्वारा वह हो आचरणों में व्याप्त सही।
सैद्धान्तिक, प्रायोगिक दोनों का संयुत संगान हो ।।१।। शिक्षा का नव...

शिक्षा के संकाय बहुत हैं, पर आध्यात्मिक आय नहीं,
वर्तमान पीढ़ी का भावी-पीढ़ी के प्रति न्याय नहीं।
'सा विद्या या भवति मुक्तये' का मुख-मुख संगान हो। ।।१।। शिक्षा का नव...

प्रामाणिकता, क्षमा, समन्वय लोकतंत्र के त्राण हैं,
करुणा, सह-अस्तित्व, संतुलन मानवता के प्राण हैं।
मूल्यपरक शिक्षा के द्वारा जन-जन का निर्माण हो ।।१।। शिक्षा का नव...

अणुव्रत की आचार-संहिता मंजिल है, आदर्श है,
प्रेक्षाध्यान-साधना से हो जाता उसका स्पर्श है।
राष्ट्रतंत्र की रुग्ण दशा का 'तुलसी' सही निदान हो ।।१।। शिक्षा का नव...